अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : नवमी – जैन सिद्धान्त प्रभाकर पूर्वार्द्ध (परीक्षा 20 जुलाई, 201)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	7	कुल योग
प्राप्तांक								
पूर्णांक	10	10	10	10	24	15	21	100
पुनः जाँच								

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) मनुष्य भव प्राप्त होने पर भी दुर्लभ है -

(क) मनुष्यत्व (ख) विशुद्ध धर्मश्रवण

(ग) श्रद्धा (घ) संयम में पराक्रम ( )

(b) अनन्त मोह वाले जीव को उपमा दी गई है -

(क) दीवप्पणट्ठेव (ख) भारंडपक्खीव

(ग) संधिमुहेतेणेव (घ) घयसित्तव्वपावए ( )

(c) चौथे से ग्यारहवें गुणस्थान तक सम्यग्दर्शन होता है -

(क) औपशमिक (ख) क्षायोपशमिक

(ग) वेदक (घ) सास्वादन ( )

(d) 'अध्ययन कराते समय ही अध्यापक कहना ' यह उदाहरण नय का है -

(क) साम्प्रत (ख) समभिरूढ

(ग) एवंभूत (घ) नैगम ( )

(e) भगवती सूत्र के अनुसार अन्तराल गति में जीव अनाहारक रह सकता है -

(क) एक समय (ख) दो समय

(ग) तीन समय (घ) चार समय ( )

(f) पाँचवें गुणस्थान में क्रियाएं पायी जाती हैं -

(क) 24 (ख) 23

(ग) 22 (घ) 21 ( )

(g) सत्कार पुरस्कार परीषह होता है -

(क) चारित्र मोहनीय (ख) दर्शन मोहनीय

(ग) अन्तराय कर्म (घ) ज्ञानावरणीय ( )

(h) स्वभाव से ही रहने वाला भाव है -

(क) क्रोध (ख) केवलज्ञान

(ग) मतिज्ञान (घ) भव्यत्व ( )

(i) सयं सयं पसंसंता, गरहंता परं वयं। यह गाथा किस सूत्र से ली गई है -

(क) आचारांग से (ख) सूत्रकृतांग से

(ग) भगवती से (घ) पन्नवणा से ( )

(j) श्रावक के लिये आगार नहीं है -

(क) अब्भुट्ठाणेणं (ख) सागरियागारेणं

(ग) महत्तरागारेणं (घ) पारिट्ठावणियागारेणं ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- 10x1 = (10)

(a) शब्द आदि को देरी से ग्रहण करना क्षिप्र कहलाता है। ( )

(b) औदयिक भाव के 18 भेद हैं। ( )

(c) छद्मस्थपन में तरंग से सम्यक्त्व में मलिनता आ जाने को मल दोष कहते हैं। ( )

(d) जल परीषह मोहनीय कर्म के उदय से होता है। ( )

(e) 'तितिक्षा' संयम का पर्यायवाची नहीं है। ( )

(f) गोष्ठामाहिल द्वारा स्थिरीकरणवाद प्रवर्तित हुआ। ( )

(g) स्वच्छन्दता-निरोध अप्रमत्तता और मुक्ति का कारण नहीं है। ( )

(h) रूग्ण अवस्था में व्रत का उत्साह के साथ सम्यक् प्रकार से पालन करना भाव विशुद्धि है। ( )

(i) एकलठाण में हाथ जिससे भोजन करना है और मुंह के अलावा शेष अंग हिलाना नहीं है। ( )

(j) अकस्मात् असह्य रोग के कारण औषध आदि लेने पर सव्वसमाहिवत्तियागारेणं आगार होता है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- 10x1 = (10)

(a) मेरे समान साधक सदा अप्रमत्त होकर विचरण करें। .....

(b) मैं त्रैराशिकवाद का प्रवर्त्तक हूँ। .....

(c) आत्मा की आत्मा से अनुभूति होना ही मेरा लक्षण है। .....

(d) मैं सुख-दुःख के अनुभव से रहित हूँ। .....

(e) मैं ऐसा ध्यान हूँ, जो आठवें गुणस्थान में प्राप्त होता हूँ। .....

(f) मेरे उदय से आठ परीषह होते हैं। .....

(g) मेरे अभाव में वैचारिक अहिंसा मूर्त रूप नहीं ले सकती। .....

(h) मैंने अनेकान्त दृष्टि से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देकर दार्शनिक एवं व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किया। .....

(i) मेरी आराधना साधक आत्मगुणों की पुष्टि के लिये करता है। .....

(j) मेरी आराधना के लिए न्यूनतम 7 प्रहर आवश्यक है। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) अमत्सरता	-	विवक्षा	.....
(b) गंगाचार्य	-	प्रत्याख्यान दोष	.....
(c) ठाणांग	-	अंगबाह्य	.....
(d) पन्नवणा	-	अनेकान्त	.....
(e) सूक्ष्म सम्पराय गुणस्थान	-	मनुष्यायु	.....
(f) देशविरति श्रावक गुणस्थान	-	14 क्रियाएं	.....
(g) स्याद्वाद	-	अंगप्रविष्ट	.....
(h) सिद्धसेन	-	द्वैक्रियवाद	.....
(i) भद्रबाहु	-	एकाशन	.....
(j) गिहिसंसट्ठेणं	-	22 क्रियाएं	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :- **12x2 = (24)**

(a) **सबसे दुर्लभतम अंग कौनसा है और क्यों ?**

.....

.....

(b) **'संयम में पराक्रम' से क्या आशय है ?**

.....

.....

(c) **द्रव्य मद्य और भाव मद्य से आप क्या समझते हैं ?**

.....

.....

(d) **'धन त्राणदायक है' यह मिथ्या मान्यता है। स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

(e) **मनुष्यभव में प्राप्त होने वाली 10 अंग युक्त भोग्य सामग्री लिखिए।**

.....

.....

(f) **प्रमाद का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(g) **'वेराणुबद्धा' के कोई 2 अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(h) **'प्रतिबुद्ध' कितने प्रकार के होते हैं ? लिखिए।**

.....

.....

(i) **मति, श्रुत व अवधि में तीनों मिथ्याज्ञान भी होते हैं। क्यों ?**

.....

.....

(j) **योग किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(k) **'अनेकान्त' को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

(l) **'भवचरिम' का क्या अर्थ है ?इसकी आराधना कब व कैसे की जाती है ?**

.....

.....

प्र.6 निम्नलिखित गाथाओं का अर्थ स्पष्ट कीजिए :- **5x3=(15)**

(a) **विगिंच कम्मुणो हेउं, जसं संचिणु खंतिए।**
पाढवं सरीरं हिच्चा, उड्ढं पक्कमई दिसं।।

.....

.....

.....

(b) **एवमावट्टजोणीसु, पाणिणो कम्म किव्विसा।**

न निविज्जंति संसारे, सव्वट्ठेसु व खत्तिया।।

.....

.....

.....

.....

(c) **अप्पिया देवकामाणं, कामरूव विउव्विणो।**

उड्ढं कप्पेसु चिट्ठंति, पुव्वा वाससया बहु।।

.....

.....

.....

.....

(d) **भोच्चा माणुस्सए भोए, अप्पडिरूवे अहाउयं।**

पुव्वं विसुद्ध सद्धम्मे, केवलं बोहि बुज्झिया।।

.....

.....

.....

.....

(e) **मंदा य फासा बहु लोहणिज्जा, तहप्पगारेसु मणं न कुज्जा।**

रक्खेज्ज कोहं विणएज्ज माणं, मायं न सेवे पयहेज्ज लोहं।।

.....

.....

.....

.....

प्र.7 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए :- **7x3 = (21)**

(a) **गर्भसम्मूर्छनजमाद्यम् का अर्थ लिखकर संक्षिप्त विवेचन कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) **पांच शरीर एक साथ क्यों नहीं पाये जाते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(c) **'तदिन्द्रियानिन्द्रियनिमित्तम्' का अर्थ लिखकर समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **उपयोग द्वार समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **चारित्र द्वार को समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **'परीषह' किसे कहते हैं?नौवें गुणस्थान में किन परीषहों को छोड़कर कितने परीषह होते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(g) **विश्व के प्रत्येक पदार्थ के बारे में उत्पाद, व्यय और ध्रौव्य की बात समान रूप से लागू होती है। सोदाहरण समझाइए।**

.....

.....

.....

.....